पलट सुदामा देखन लागे कित गई मोरी टपरिया रे लिरिक्स

पलट सुदामा देखन लागे,
कित गई मोरी टपरिया रे,
जा कुन बनवा दई अटरिया रे,
कुन बनवा दई अटरिया रे।bd।

जहां तो थी मोरी,
कांस की टपरिया,
कंचन महल बनवा दये रे,
कुन बनवा दई अटरिया रे,
कुन बनवा दई अटरिया रे।bd।

जहां तो थे मोरे तुलसी के वृक्षा,
चंदन पेड़ लगवा दये रे,
कुन बनवा दई अटरिया रे,
कुन बनवा दई अटरिया रे।bd।

यहां तो थी मेरी बूढ़ी ब्राम्हणी,
जाए रंभा कौन ने बनवा दये रे,
कुन बनवा दई अटरिया रे,
कुन बनवा दई अटरिया रे।bd।

पलट सुदामा देखन लागे,
कित गई मोरी टपरिया रे,
जा कुन बनवा दई अटरिया रे,
कुन बनवा दई अटरिया रे।bd।

गायक – गोलू ओझा अशोकनगर।
प्रेषक – मोहन राजपूत।
9893960861

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com